ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

3-04-2024

वर्तमान समय स्वयं को शमा पर इतना मिटा देना है जो यह शब्द भी समाप्त हो जाए कि यह मेरे संस्कार हैं, यह मेरी नेचर है। जब हरेक की नेचर बदलेगी तब आपके अव्यक्ति पिक्चर्स बनेंगे। जैसे मिलन में हाथ मिलाते हैं, यह मिलन है संस्कार मिलन – अगर सबके संस्कार एक समान हो जाएं तो एक राज्य, एक धर्म वाली दुनिया आ जायेगी।

Perform the dance of harmonising sanskars.

At present, you have to surrender yourself to the Flame to such an extent that the words “this is my sanskar, this is my nature” finish. When each one’s nature is transformed, then you will have avyakt features. When you meet someone, you greet one another by shaking hands, whereas here, it is a meeting of sanskars. When everyone’s sanskars become similar, the world of one kingdom and one religion will come.